500 फीट तक के बोर सूखे, लाइन पार क्षेत्र में गहराया जल संकट

खास बातें

- भू-जल स्तर में लगातार गिरावट से बढ़ी परेशानी
- कई इलाकों में पेयजल के लिए जूझ रहे लोग

नवभारत न्यूज

विदिशा 31 मई, जिले में लगातार गिरते भू-जल स्तर और वर्षा जल संरक्षण के अभाव में जल संकट हर वर्ष गंभीर होता जा रहा है. कुछ वर्ष पहले तक 70 से 80 फीट गहरे बोरवेल में आसानी से पानी मिल जाता था, जो पूरे वर्ष लोगों की जरूरतें पूरी करते थे. लेकिन भू-जल के लगातार दोहन, बढ़ते ट्यूबवेल और वर्षा जल के पर्याप्त पुनर्भरण नहीं होने से स्थिति अब चिंताजनक हो गई है.

हालात यह हैं कि जिले के कई क्षेत्रों में 500 फीट तक की गहराई वाले बोरवेल भी सूख चुके हैं और उनमें से पानी निकलना बंद हो गया है. इसके कारण शहर और आसपास के क्षेत्रों में पेयजल संकट लगातार गहराता जा रहा है.

वॉटर हार्वेस्टिंग नियमों का नहीं हो रहा प्रभावी पालन

सरकार द्वारा वर्षा जल संचयन (वाटर हार्वेस्टिंग) को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, लेकिन शहर की अनेक कॉलोनियों, बड़े भवनों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और मॉल में अभी भी प्रभावी वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित नहीं किए गए हैं.स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि प्रशासनिक निगरानी और सख्ती के अभाव में नियमों का पालन नहीं हो रहा है, जिससे भू-जल पुनर्भरण की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है और जल संकट लगातार बढ़ता जा रहा है.

> **पुराने जल स्रोतों के पुनर्जीवन की मांग**
>
> स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों में नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने, अतिरिक्त टैंकर उपलब्ध कराने, वर्षा जल संचयन नियमों का सख्ती से पालन कराने तथा पुराने कुओं, बावड़ियों और अन्य पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग की है.नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते भू-जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को लेकर प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में जल संकट और अधिक भयावह रूप धारण कर सकता है. वर्तमान स्थिति इस बात का स्पष्ट संकेत है कि जल संरक्षण अब केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है.

> **कुएं-बावड़ियों की उपेक्षा बनी बड़ी वजह**
>
> जानकारों का मानना है कि पहले गांवों और शहरों में मौजूद कुएं एवं बावड़ियां वर्षा ऋतु में भरकर भू-जल स्तर को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती थीं. समय के साथ इन पारंपरिक जल स्रोतों की उपेक्षा होने लगी, जिसके परिणामस्वरूप वर्षा का अधिकांश पानी नालों के माध्यम से बहकर नदियों और अंततः समुद्र में पहुंच जाता है.हालांकि प्रशासन द्वारा कुछ तालाबों का निर्माण एवं सुधार कार्य कराया गया है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार तालाबों की जल संग्रहण क्षमता और भू-जल पुनर्भरण की प्रभावशीलता पारंपरिक कुओं और बावड़ियों जैसी नहीं हो पाती.

लाइन पार क्षेत्र में सबसे अधिक संकट

इन दिनों शहर के लाइन पार, करैयाखेड़ा रोड, सांई धाम कॉलोनी, पूरनपुरा और टीलाखेड़ी क्षेत्रों में जल संकट विकराल रूप ले चुका है. कई परिवारों को दो दिन में एक बार स्नान करने जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि पेयजल की व्यवस्था भी मुश्किल से हो पा रही है.महिलाओं और बच्चों को पानी की व्यवस्था के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है. वहीं नगर पालिका द्वारा भेजे जा रहे पानी के टैंकर बढ़ती मांग के मुकाबले अपर्याप्त साबित हो रहे हैं. कई क्षेत्रों में टैंकरों के पहुंचने का कोई निश्चित समय नहीं होने से लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है.

तेज हवाओं से तापमान में हुई गिरावट

नवभारत न्यूज

सिरोंज 31 मई क्षेत्र में नवतपा के दौरान मौसम में बदलाव दिख रहा है. क्षेत्र में तेज हवाओं एवं हल्की बूंदाबांदी से तापमान में कमी आई है. जिससे लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिली है. हालांकि अभी भी गर्मी और उमस का दौर जारी है.

क्षेत्र में इन दिनों मौसम में बार-बार बदलाव दिखाई दे रहा है. कभी तेज धूप निकलती दिखाई देती है. जिससे गर्मी से लोगों का हाल बेहाल हो जाता है. तो कभी आसमान में बादल एवं तेज हवाएं चलने लगती हैं. जिससे तापमान में कमी आ जाती है. नवतपा के दौरान पिछले कई दिनों से तापमान में लगातार बढ़ोतरी दिखाई दे रही थी. इस दौरान भीषण गर्मी एवं उमस का दौर जारी रहा. इस बीच क्षेत्र में गर्मी और उमस भरे मौसम के बीच शुक्रवार एवं शनिवार को देर सायं तेज हवाएं चलने तथा हल्की बूंदाबांदी होने से तापमान में थोड़ी गिरावट दर्ज हुई है. जिससे लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत मिली है. इस दौरान आसमान में बादलों की आवाजाही भी दिखाई दी. हालांकि अभी भी गर्मी एवं उमस का दौर जारी है.

सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की विशेष समीक्षा

नवभारत न्यूज

विदिशा, कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने शनिवार को आयोजित समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की.बैठक में विशेष रूप से 300 से 500 दिनों से लंबित शिकायतों एवं आवेदनों के त्वरित निराकरण पर जोर दिया गया.कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से वन-टू-वन चर्चा कर लंबित मामलों की जानकारी ली और कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी व्यवस्था है, इसलिए प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, तथ्यात्मक और संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए.उन्होंने लंबे समय से लंबित प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए. श्री गुप्ता ने कहा कि शिकायतों के निराकरण में गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाए तथा बिना तथ्यात्मक परीक्षण के प्रकरण बंद न किए जाएं.अधिकारियों को शिकायतकर्ताओं से लगातार संवाद बनाए रखने और उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए.

अनिल दाऊ फाउंडेशन ने आदिवासी बस्तियों में बांटीं खुशियां

- सहरिया जनजाति के बच्चों को चप्पल, आइसक्रीम, बिस्कुट और साबुन वितरित
- ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर समाधान का दिया आश्वासन

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. अनिल दाऊ फाउंडेशन सोशल वेलफेयर के सदस्यों ने शनिवार को ग्राम गौचर एवं ग्राम कोहना पहुंचकर आदिवासी सहरिया जनजाति समुदाय के बीच सामाजिक सेवा गतिविधियों का आयोजन किया. इस दौरान बच्चों और महिलाओं को आइसक्रीम, चप्पल, बिस्कुट तथा नहाने के लिए साबुन वितरित किए गए.

फाउंडेशन के सदस्यों ने बताया कि संस्था द्वारा प्रतिवर्ष ऐसे दूरस्थ और जरूरतमंद क्षेत्रों में पहुंचकर सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं. इसका उद्देश्य उन वर्गों तक सहायता और खुशियां पहुंचाना है, जहां सामान्यतः सामाजिक संस्थाओं की पहुंच कम होती है.कार्यक्रम के दौरान ग्राम गौचर में कई छोटे बच्चे नंगे पैर घूमते हुए दिखाई दिए. जब उन्हें चप्पलें वितरित की गईं तो बच्चों ने खुशी व्यक्त करते हुए फाउंडेशन के प्रति आभार जताया. वहीं ग्रामीणों ने अपनी कुछ मूलभूत समस्याओं से भी संस्था के सदस्यों को अवगत कराया.नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शशि अनिल यादव ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनते हुए स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर उनके समाधान का आश्वासन दिया. उन्होंने कहा कि जरूरतमंद समुदायों की सहायता और विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे.उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व गुरुवार को भी फाउंडेशन के सदस्यों ने देवेंद्र पंचायत के ग्राम बड़ी वीर में पहुंचकर आदिवासी परिवारों के बीच आइसक्रीम, चप्पल और बिस्कुट का वितरण किया था. इस कार्यक्रम में तहसीलदार अरविंद यादव भी शामिल हुए थे. उन्होंने बस्ती के विकास के लिए आवश्यक पहल करने का आश्वासन दिया था. बड़ी वीर में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की गई है तथा शुक्रवार को मेडिकल टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया.ग्राम गौचर एवं कोहना में आयोजित कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन से देवेंद्र यादव, मनोज यादव, सुरेंद्र भारद्वाज, सुरेंद्र दांगी, अशोक मंकू, राजेंद्र व्यास, नितिन यादव, राजन सिंह तोमर, पप्पू समैया, गजेंद्र बुंदेला, नीरज जैन सहित बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे. संस्था के इस प्रयास की ग्रामीणों ने सराहना करते हुए इसे समाज के कमजोर वर्गों के लिए प्रेरणादायी पहल बताया.

कलश यात्रा निकालकर किया कथा का शुभारंभ

नवभारत न्यूज

सिरोंज, श्री अग्रवाल संस्कार महिला मण्डल सिरोंज द्वारा प्राचीन श्री गिरधारी जी मंदिर में पुरूषोत्तम मास के पावन अवसर पर श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का आयोजन 31 मई से 6 जून तक किया जा रहा है. कथा के शुभारंभ पर रविवार को शहर में श्री रामलला मंदिर कष्टम पथ से कलश यात्रा निकाली गई. जो नगर के मुख्य मार्ग कठाली बाजार, सर्राफा बाजार, चांदनी चौक से होते हुए श्री गिरधारी जी मंदिर पहुंची. कलश यात्रा में आकर्षक बैंड बाजे शामिल रहे. गाजे-बाजे के साथ निकली कलश यात्रा में श्रद्धालु जयकारें लगाते हुये चल रहे थे. वही महिलायें, बालिकायें कलश लेकर चल रही थी. कलश यात्रा का शहर में जगह जगह पुष्पवर्षा कर लोगों ने स्वागत किया. इस दौरान श्रद्धालुओं को श्रीमद् भागवत कथा की महिमा के बारे में बताया. कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुये. कथा 6 जून तक प्रतिदिन दोपहर 2.30 बजे से सायं 7.30 बजे तक आयोजित की जावेगी.

शोभायात्रा में ग्रामीण संस्कृति, परंपरा की दिखी झलक

- देवी मां अहिल्या बाई होल्कर की जयंती पर निकाली शोभायात्रा
- शोभायात्रा का जगह-जगह हुआ स्वागत

नवभारत न्यूज

सिरोंज, लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को शहर में भव्य शोभायात्रा एवं वाहन रैली का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में समाज के लोगों सहित बड़ी तादाद में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. शोभायात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए. जिससे शहर भक्तिमय और उत्सवमय माहौल में रंगा नजर आया.

शोभायात्रा का शुभारंभ स्थानीय कुरवाई रोड छत्री नाके से किया गया. जो शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होती हुई निकली. यात्रा के दौरान श्रद्धालु लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जयघोष लगाते हुए चल रहे थे. पूरे मार्ग में धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण बना रहा. शोभायात्रा में आकर्षक बैंड बाजे शामिल रहे. वहीं पारंपरिक परिधानों में सजे लोग शोभायात्रा की शोभा बढ़ा रहे थे. शोभायात्रा में बैलगाड़ियों पर आकर्षक वेशभूषा में सवार लोगों का दल लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा. ग्रामीण संस्कृति और परंपरा की झलक प्रस्तुत करती इन बैलगाड़ियों को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी. शोभायात्रा में एक आकर्षक रथ भी शामिल था, जिस पर लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के स्वरूप को विराजित किया गया था. शहर के विभिन्न स्थानों पर नागरिकों, सामाजिक संगठनों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजजन एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे. आयोजन के माध्यम से लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के आदर्शों, उनके लोककल्याणकारी कार्यों और समाज के प्रति उनके योगदान को याद किया गया. इस दौरान लोगों ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प भी लिया.

विकास पचौरी रेडियो
84 35 250 250
मोबाइल के प्ले स्टोर पर
Vikas Pachori Radio
टाइप करके इंस्टॉल कीजिए
और लगातार 24 घण्टे
आनंद लीजिए.

विद्यार्थियों को दी कानून की जानकारी

नवभारत न्यूज

सिरोंज, विधिक जागरूकता शिविर में जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विजय कुमार पांडे ने विद्यार्थियों को कानून की जानकारी दी. इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं को कानून और कैरियर के बारे में विस्तार से बताया. इस मौके पर उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का भी समाधान किया. कार्यक्रम का संचालन रामबाबू कुशवाह ने किया. इस मौके पर शिक्षक वीर रघुवंशी, राजेश दांगी, अभिषेक शर्मा, विवेक, छगन सिंह राजपूत सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे.

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर निकाली जनजागरण रैली

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार की बासौदा इकाई द्वारा व्यापक जनजागरण अभियान चलाया गया. गायत्री परिवार के तहसील प्रभारी श्याम सुंदर माथुर (एडवोकेट) के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में वाहन रैली निकाली गई, जिसके माध्यम से लोगों को तंबाकू एवं अन्य प्रकार के नशों से दूर रहने का संदेश दिया गया.

रैली के दौरान जय स्तंभ चौक, अंबेडकर चौक एवं रेलवे स्टेशन पर नुक्कड़ सभाओं का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मजदूर वर्ग, ऑटो रिक्शा चालकों तथा आम नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया. साथ ही शांतिकुंज, हरिद्वार द्वारा प्रकाशित तंबाकू एवं नशामुक्ति संबंधी साहित्य निःशुल्क वितरित किया गया.

नशामुक्ति अभियान के जिला प्रभारी रघुवीर सिंह परिहार ने कहा कि किसी भी प्रकार का नशा व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए घातक है. नशे के कारण केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पूरी पीढ़ियां प्रभावित हो रही हैं. उन्होंने कहा कि नशे की वजह से परिवारों में कलह बढ़ रही है, आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है तथा युवा पीढ़ी अपने लक्ष्य से भटककर निराशा और अवसाद की ओर बढ़ रही है. उन्होंने सभी लोगों से नशाखोरी के खिलाफ सामूहिक अभियान चलाने का आह्वान किया.सुरेश सैनी ने गायत्री परिवार के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति और परिवार दोनों के लिए विनाशकारी है तथा समाज को इससे मुक्त करने के लिए जनजागरण आवश्यक है.ट्रस्ट मंडल के सदस्य जयराम अहिरवार ने कहा कि मनुष्यों में देवत्व का विकास और पृथ्वी पर स्वर्ग जैसी परिस्थितियों का निर्माण गुरुदेव का सपना था. नशाखोरी इस लक्ष्य की सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है. उन्होंने कहा कि समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा.कार्यक्रम को सफल बनाने में संगीता शर्मा, सूरज सिंह परिहार, श्यामपाल रघुवंशी, परिव्राजक वसंत पांडेय, मुकेश पांडेय, महेंद्र दिवाकर सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया. रैली और जनजागरण कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को स्वस्थ, जागरूक और नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया.

ज्ञान ज्योति स्कूल में मनाई गई लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर की 301वीं जयंती

नवभारत न्यूज

कुरवाई. ज्ञान ज्योति हायर सेकेंडरी स्कूल में पाल समाज द्वारा लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की 301वीं जयंती श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाई गई. कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया.इस अवसर पर पाल समाज के जिला अध्यक्ष एवं सरपंच लेखराज पाल सहित समाज के वरिष्ठजनों ने अतिथियों का स्वागत किया. कार्यक्रम में समाज के लोगों ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के जीवन, व्यक्तित्व और उनके आदर्शों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किये.

परेशानी प्राचीन बावड़ी की सफाई के लिए हुआ श्रमदान, लेकिन सीमित संसाधनों और कमजोर जनभागीदारी ने अभियान की प्रभावशीलता पर खड़े किए प्रश्न

जल गंगा संवर्धन अभियान पर उठे सवाल, क्या केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगा बावड़ी संरक्षण?

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. भीषण गर्मी और बढ़ते जल संकट के बीच जल संरक्षण को लेकर शासन द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर की एक प्राचीन बावड़ी में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया. हालांकि कार्यक्रम के दौरान सामने आए हालातों ने अभियान की प्रभावशीलता और दीर्घकालिक परिणामों को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं.

बावड़ी की सफाई के लिए आयोजित श्रमदान कार्यक्रम में कुछ अधिकारी, जनप्रतिनिधि और नागरिक शामिल हुए, लेकिन अपेक्षित जनभागीदारी देखने को नहीं मिली. सीमित संसाधनों, पर्याप्त उपकरणों के अभाव और कमजोर कार्ययोजना के कारण सफाई कार्य की गति भी प्रभावित रही. कार्यक्रम के दौरान वास्तविक श्रम का दायित्व मुख्य रूप से कर्मचारियों, जागरूक नागरिकों और लंबे समय से जल संरक्षण कार्यों से जुड़े श्रमदान दल के सदस्यों पर ही दिखाई दिया.करीब डेढ़ घंटे तक चले सफाई अभियान में बड़ी मेहनत के बाद लगभग पौन ट्रॉली कचरा बाहर निकाला जा सका. इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वर्षों से उपेक्षित इस बावड़ी की स्थिति कितनी गंभीर हो चुकी है. बावड़ी में जमा गाद, प्लास्टिक कचरा और अन्य अपशिष्टों की मात्रा बताती है कि इसके संरक्षण के लिए केवल प्रतीकात्मक श्रमदान पर्याप्त नहीं होगा.

स्थानीय नागरिकों का मानना है कि जिन बावड़ियों ने कभी नगर की जल आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, वे आज उपेक्षा और गंदगी का शिकार बनी हुई हैं. उनका कहना है कि ऐसे ऐतिहासिक जल स्रोतों को संरक्षित करने के लिए नियमित सफाई, वैज्ञानिक जल संरक्षण व्यवस्था और सतत निगरानी की आवश्यकता है.

अभियान के दौरान दीर्घकालिक संरक्षण की कोई स्पष्ट कार्ययोजना सामने नहीं आने से भी लोगों में चिंता है. नागरिकों का कहना है कि यदि सफाई के बाद पुनः कचरा फेंका जाता रहा और संरक्षण के स्थायी उपाय नहीं किए गए, तो यह प्रयास केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगा.

> **जनभागीदारी से ही मिलेगा स्थायी समाधान**
>
> जल संरक्षण से जुड़े लोगों का मानना है कि जल गंगा संवर्धन अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम तक सीमित न रखकर जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाना चाहिए. समाज, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों के संयुक्त प्रयासों से ही प्राचीन जल स्रोतों का संरक्षण संभव है.विशेषज्ञों का कहना है कि जल स्रोतों का संरक्षण केवल सौंदर्यीकरण का विषय नहीं, बल्कि भविष्य की जल सुरक्षा और आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है. ऐसे में आवश्यकता है कि अभियान को दिखावे से आगे बढ़ाकर ठोस और निरंतर प्रयासों के माध्यम से सफल बनाया जाए.

टेट मुद्दे पर रिव्यू याचिकाओं को खारिज करना प्राकृतिक न्याय के विपरीत-राकेश दुबे

- शासकीय शिक्षक संगठन की बैठक में शिक्षकों को एकजुट रहने का आह्वान

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा. मध्यप्रदेश शासकीय शिक्षक संगठन के प्रदेशाध्यक्ष राकेश दुबे ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के अंतर्गत वर्ष 2017 में किए गए संशोधनों को वर्ष 2010 से प्रभावी मानते हुए उस तिथि से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर भूतलक्षी (रेट्रोस्पेक्टिव) रूप से लागू नहीं किया जा सकता. उन्होंने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के दृष्टिकोण को आधार बनाकर शिक्षकों पर निर्णय लागू किया गया है, तो इसी प्रकार अन्य विभागों और न्यायपालिका में भी समान मानकों पर विचार किया जाना चाहिए.

राकेश दुबे ने कहा कि टेट (शिक्षक पात्रता परीक्षा) के मुद्दे पर दायर रिव्यू याचिकाओं को खारिज किया जाना प्राकृतिक न्याय की भावना के विपरीत प्रतीत होता है. उन्होंने कहा कि शिक्षक समुदाय अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संवैधानिक और कानूनी लड़ाई जारी रखेगा.संगठन के कार्यकारी प्रांताध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने बताया कि शासकीय शिक्षक संगठन के प्रयासों से विभिन्न याचिकाएं पांच न्यायाधीशों की बड़ी बेंच के समक्ष पहुंच चुकी हैं. उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो संगठन के पास क्यूरेटिव अपील का विकल्प भी उपलब्ध रहेगा.प्रदेश उपाध्यक्ष पृथ्वी सिंह रघुवंशी ने कहा कि न्यायालयीन प्रक्रिया के अतिरिक्त अन्य लोकतांत्रिक विकल्प भी संगठन के सामने खुले हुए हैं. इसके लिए देशभर के शिक्षक संगठनों की एक बैठक शीघ्र ही दिल्ली में आयोजित की जाएगी, जिसमें आगे की रणनीति तय की जाएगी.उन्होंने बताया कि प्रस्तावित कार्यक्रमों में देश के विभिन्न सांसदों को ज्ञापन सौंपना, राजधानी दिल्ली में बड़ा प्रदर्शन आयोजित करना तथा शिक्षकों से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाना शामिल है. उन्होंने कहा कि यदि केंद्र सरकार चाहे तो अध्यादेश लाकर शिक्षकों को मानसिक तनाव से राहत प्रदान कर सकती है.

> **शिक्षकों से धैर्य और एकता बनाए रखने की अपील**
>
> जिलाध्यक्ष नबल सिंह और तहसील अध्यक्ष संजीव रघुवंशी ने शिक्षकों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या चिंता से प्रभावित न हों. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि किसी भी शिक्षक की सेवा समाप्त नहीं होगी. उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आवश्यकता संगठन की एकजुटता बनाए रखने और सामूहिक प्रयासों पर विश्वास रखने की है.बैठक में शिक्षकों ने टेट से संबंधित विभिन्न कानूनी और प्रशासनिक पहलुओं पर चर्चा करते हुए अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संगठन के साथ मिलकर संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया.